शिर्डी वाले की कैसी माया

शिर्डी वाले की कैसी माया बिना तेल के दीप जलाया
पतझड़ के मोसम में देखो प्यार का फूल खिलाया
शिर्डी वाले की कैसी माया बिना तेल के दीप जलाया

शिर्डी में धाम निराला है साईं नाथ मतवाला है
सिर पे पटका बाँध लिया काँधे झोला ढाला है
हाथो में कासा रहमत वाला खुशियाँ भर के लाया
शिर्डी वाले की कैसी माया बिना तेल के दीप जलाया

साईं राम साईं राम भजले प्यारे साईं राम
साईं राम के नाम से बनते देखो सब के बिगड़े काम
शरण पड़े जो दीं दुखी को साईं ने गले लगाया
शिर्डी वाले की कैसी माया बिना तेल के दीप जलाया

सब का मालिक एक है मेरा साईं बड़ा महान,
प्रेम प्यार है सिखलाता सब को माने एक समान
सच केहता गोपाल है भगतो पैगाम ख़ुशी का लाया
शिर्डी वाले की कैसी माया बिना तेल के दीप जलाया

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18556/title/shirdi-vale-ki-kaisi-maya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |